# श्री मुखलिंग

उत्तर आंध्रप्रदेश मे श्रीकाकुलमु जिला का श्री मुखलिंग एक समय में कलिंग राज्य का राजधानी था कटक शहर सैनिकों का छावनी था, कलिंग पट्टनम बन्दरगाह और व्यापार केन्द्र था।

श्री मुखलिंग में भीमेश्वर स्वामी, सोमेश्वर स्वामी, मधुकेश्वर स्वामी का मंदिर हैं। संस्क्रुत शब्द मधुकम का मतलब महुआ का पेड है। महुआ का पेड शिव के रूप में बदलने की कहानी इस मंदिर के दीवारों पर अद्भुत रूप से चित्रांकित किया गया है। इसवीं सदी के 5-6 सौ के समय का मंदिर में अभी भी वहाँ पूजा कार्यक्रम होता है। आंन्ध्रप्रदेश ही नही बल्कि पूरे भारतवर्ष में इस तरह का यह एक अकेला है।

वर्तमान के मुखलिंग में सवर जाति के नेता की लडकी प्रतिदिन महुआ के फूल चुनकर लाकर भगवान को चढाती थी। एक जंघ्म् तीर्थयात्रा करतेहुए इस तरफ आया। उसकी लडकी भी मकआ के फूल चुनकर भगवान को अर्पित करती थी। लेकिन सवर जाति की लडकी के चढाये फूल शाम तक मुरझा जाते थे। पर जंघ्म् लडकी के चढाले फूल सोने के फूल में बदल जाते थे।

सवरियों ~~सब~~ चढाये को कुछ अनहोनी सा प्रतीत हुआ। इसका समाधान करने केलिए वे शिव से पूछे। शिव कुछ भी नही बोले। इस मकुआ के पेड के कारण ही ऐसा हो रहा है, करके गुस्से में सवरियों ने पेड को काट दिया। इस पेड का दूद (जमीन के ऊपर तक कटा हुआ भाग) को अभी के दिनों में पूजा कररहे मधुकेश्वर स्वामी है।

दूसरी घटना भी पूजारी लोग अपने को बताते है। एक कुम्हार बच्चों केलिए मन्नत मांगा. बच्चे पैदा होने के बाद, स्वामी को चढाने के लिए एक पात्र तैयार किया। इसी बीच राजा वहॉ मंदिर बनवा दिया. इस पात्र को अंदर रखने केलिए जगह नही पूर रहा है। वो कुमहार भगवान से वाद-विवाद पर उतर आया वह भगवान से बोला क्या करेगे मुझे नही मालुम, इस पात्र को आप ही को ले जाना होगा। शिव भक्तो के वचन को प्रधानता देते हा. उस पात्र को अंदर रखवा लिया। मकुआ के दूंद का रूप में बदला शिव लिंग के बगल में ही कुम्हार का पात्रा भी दिखाई देता है।

कई सवर लोग मुखलिंग का नाम रखते हैं, लेकिन मधुकेश्वर स्वामी उनके ही भगवान है करके खुद उनको ही मालूम नही। मंदिर के दीवारों पर चित्रित कहानी को पूजारी लोग, लोगों को बताते समय, अपने में से किसी को भी यह विचार - कि सवर लोग और कुम्हार लोगों को इस देवालय सेवा में उनको उचित स्थान देने का विचार नही आता।

वैसा विचार हमसब लोगों में आना चाहिए वह स्थान पिछड़े वर्ग के लोगों को प्राप्त हो करके इस महाशिवरात्री पर्व के उपलक्ष्य में उस शिव भगवान से विनती करेंगें।